

24.01.2017

पञ्जाबी प्रेषण हेतु। गैर सभ्यता सुभागा राज वाक्यरूप 2 प्रकाश  
 गैर सभ्यता। पञ्जाबी का प्रथमोक्त किमा उक्त क्षेत्र  
 में विवरण इस प्रकार है कि पञ्जाबी हस्त-गवाही में  
 मौर्या विद्यालय कला रूप 218 रचना 0-06-1956  
 कलम नूनि मोक्ष पर सम्बन्ध 2073 में काउन्सिल का  
 गैर सभ्यता सुभागा राज पुत्र गैर सभ्यता कोष में प्रथम वि०  
 विद्यालय कला के किमा सभ्यता कलम का उलगा कर  
 कले के कारण ही. नी रिपोर्ट पेश कि 1956 गैर सभ्यता  
 इस-पञ्जाबी में गैर सभ्यता के विरुद्ध सभ्यता प्रवर्धन  
 विधिनिष्ठ 1956 की धारा 91 के तहत सभ्यता प्रवर्धन रजि  
 कर गैर सभ्यता के विरुद्ध LRA 1956 की धारा 91 (1)  
 के अन्तर्गत गैर सभ्यता किमा गैर सभ्यता प्रवर्धन  
 कलम पर उक्त मोक्ष सभ्यता नूनि पर सभ्यता  
 कलम का भी लीकार किया है। किमा गैर सभ्यता  
 की सभ्यता प्रवर्धन पर विधिनिष्ठ कले के कारण



20

27

३०/१२/२०१७  
 ३०/१२/२०१७ २०१७ की घोषित किया जाकर राजगीर में  
 के.ए. न.के.ए. से किए गए शरीर को भौतिक  
 रूप से देखने वाले एवं शरीर के भाग का  
 प्रत्यक्ष गुरु शरीर शरीर - १२/ - (म.ए. का.ए. का.ए.)  
 काम में लगे हैं। पञ्चायत (म.ए. का.ए.) को शरीर  
 द्वारा किये गए शरीर को भौतिक रूप से देखने वाले  
 एवं शरीर शरीर शरीर का शरीर का शरीर का शरीर का  
 पञ्चायत शरीर का शरीर का शरीर का शरीर का शरीर का  
 जाकर पञ्चायत शरीर का शरीर का शरीर का शरीर का शरीर का  
 निर्णय का.ए. २५/०१/२०१७ को शुरू-म.ए. का.ए. में  
 लगे गए।

*(Handwritten signature)*

**तहसीलदार, सियां बड़ी**  
**(बापीर - चण्डनगर)**

वर्ष २०१७ वर्ष १२/ -  
 स.स. ४ के फ.स. १८८-२०१७ का.ए.  

 तहसीलदार, सियां बड़ी